(II) मनोविश्लेषणात्मक सिद्धान्त -(Psychoanalytical)
इस सिद्धान्त के प्रतिपादक सिगमंड फ्रायड
थे। उनकी मान्यता इस प्रकार के द्वारा होता है
का जन्म अचेतन मन के इच्छायें होती है
मनुष्य के मन में आनंद के लिए मानव प्रेरित होता
जिसे पूरा करने के लिए एवं काम की कामना
है इसमें सुरक्षा कामना, स्रोत है।
आदि ही प्रेरणा के

(III) आवश्यकतावादी सिद्धान्त (Theory of necessity)
इस सिद्धान्त के प्रवर्तक मैस्लो हैं। इनके
अनुसार हमारी आवश्यकता ही हम प्रेरित
करती है जब व्यक्ति किसी वस्तु की
कमी महसूस करता है तो वह उसे
प्राप्त करने के लिए क्रियाशील या आमोदित
होता है। मैस्लो ने इसे एक पिरामिड बना
कर दिखाया है।

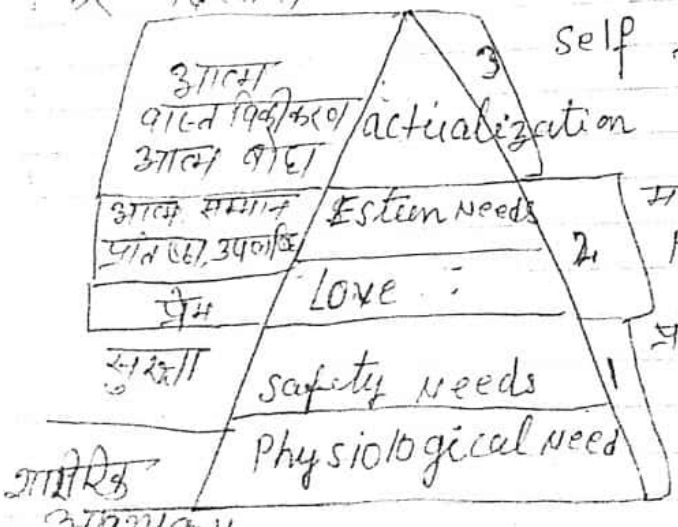

Scanned with CamScanner

अभिप्रेरणा का सिद्धान्त

① मूल प्रवृति का सिद्धान्त (Theory of Instinct)
इस सिद्धान्त के जन्मदाता मैक्डूगल (Mc Dougall) है इनका मानना है कि मानव मस्तिष्क में कुछ जन्मजात स्वभाविक प्रवृतियां होती जो मानव विचारो व क्रिया करने के लिए अभिप्रेरित करते है। मैकडूगल के अनुसार 14 मूल प्रवृतियाँ 14 है इन्ही मूल प्रवृतियों के आधार संवेग है यही प्रवृतियां व्यक्ति को उद्दय पूर्ण कार्य करने के लिए प्रेरित करती है मानव अपनी मूल प्रवृतियों के कारण ही सहजता से अभिप्रेरित होकर कार्य करता है। इसके अन्दर भूख, क्रोध, डर, इच्छा आदि मूल प्रवृति है। अगर मान था, किसी बालक को भूख लगती तब वह स्वयं ही प्रेरित होता है और भोजन करता इसके लिए उसे किसी बाहि प्रेरणा की आवश्यकता नही पड़ती है

Scanned with CamScanner